कार्यक्रम में प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी का सम्मान महाविद्यालय द्वारा

कार्यक्रम को सम्बोधित करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षक एवं स्वयं सेवक/संविकाएं

निबन्ध प्रतियोगिता

19 जनवरी 2016 को सायं सत्र में महाराणा प्रताप स्मृति निबन्ध प्रतियोगिता 'हमारे महापुरूष और राष्ट्र निर्माण' विषय पर आयोजित की गयी। प्रतिभागियों ने अपने लेख में भारत के गौरवशाली महापुरूषों की परम्परा की गौरव गाथा का उल्लेख करते हुए भारत के निर्माण में उनके योगदान की और ध्यान आकृष्ट किया।

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभागी

एथेलेटिक्स प्रतियोगिता

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में 20 जनवरी 2016 को युग पुरूष महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गोला फेंक प्रतियोगिता में तनवीर अहमद–बी.ए. तृतीय वर्ष, आशीष राय–एम.ए. प्रथम वर्ष, चन्द्र प्रकाश–बी.ए. तृतीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। लम्बी कूद प्रतियोगिता में शुभम् शर्मा–बी.काम. प्रथम वर्ष, दीपक प्रजापति–बी.ए. द्वितीय वर्ष, शैलेश कुमार चौहान–बी.ए. तृतीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया। जैबलिन थ्रो में शैलेश कुमार चौहान–बी.ए. तृतीय वर्ष, मेहताब अली–बी.ए. द्वितीय वर्ष, आशीष राय–एम.ए. प्रथम वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

लम्बी कूद में प्रतिभागी

जैबलिन में प्रतिभागी

दौड़ प्रतियोगिता

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत 21 जनवरी 2016 को राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 100 मीटर बालक वर्ग में बीरबल कुमार गुप्ता–बी.ए. तृतीय वर्ष, मेहताब अली–बी.ए. द्वितीय वर्ष, अश्वनी प्रजापति–बी. काम. प्रथम वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर बालिका वर्ग में अमिता राय–बी.ए. द्वितीय वर्ष, तेजस्विनी यादव, बी.काम. द्वितीय वर्ष, रंजना चौहान–बी.ए. प्रथम वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर में रिंकू यादव–बी.ए. तृतीय वर्ष, अश्विनी प्रजापति–बी.काम. प्रथम वर्ष, दीपक प्रजापति–बी.ए. द्वितीय वर्ष में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। 400 मीटर में मुकेश कश्यप–बी.ए. प्रथम वर्ष, संतोष कुमार निषाद–बी.ए. तृतीय वर्ष, अनूप कुमार–एम.एस–सी. द्वितीय वर्ष ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दौड़ प्रतियोगिता में स्वयं सेवक

दौड़ प्रतियोगिता में स्वयं सेविका

परिचर्चा कार्यक्रम

22 जनवरी 2016 को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के पूर्व दिवस पर 'रक्तदान और स्वास्थ्य के प्रति भ्रांतियां' विषय पर परिचर्चा आयोजित किया गया। इसमें स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं के साथ शिक्षकों ने भी सहभागिता किया। परिचर्चा से यह बात निकलकर आयी की रक्तदान करने से न केवल दूसरे के प्राण को बचाया जा सकता है बल्कि स्वयं के शरीर को स्वस्थ्य बनाए रखने में विशेष योगदान करता है। रक्तदान से मानसिक, शारीरिक, मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक उन्नति करते हुए युवा अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली एवं उत्तरदायित्वपूर्ण बनाए रखने में सक्षम है।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती कार्यक्रम

23 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती कार्यक्रम में हिन्दुस्तान समाचार पत्र ने वरिष्ठ पत्रकार श्री अजय कुमार सिंह ने अपना विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का सम्पूर्ण व्यक्तित्व राष्ट्र प्रेम और राष्ट्रीयता से ओत प्रोत जीवन चरित्र को आत्म–सात करना चाहिए। उन्होंने आई.सी.एस. जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद भारत माता की सेवा में अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। आज के बाजारवादी और भौतिकवादी जीवन शैली की दुष्प्रवृत्तियों से ऐसे ही महानायकों का जीवन इतिहास बचा सकता है। अपने निजी सुख सुविधाओ का परित्याग करते हुए अंग्रेजी सेना को भारत पहली बार उन्होंने धुल चटाया और देशवासियों में स्वतंत्रता का स्वप्न को साकार करने में महती भूमिका का निर्वहन किया। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवंत कुमार राव, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, सुश्री दीप्ती गुप्ता सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

हिन्दुस्तान

23 जनवरी 2016

नेताजी के बताए मार्गों पर चलने का संकल्प

गोरखपुर | निज संवाददाता

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर राजनितिक, गैर राजनितिक संगठन के कार्यकर्ताओं एवं समाजसेवियों ने शुक्रवार को उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बताये मार्गों पर चलने का संकल्प लिया।

दिवानी न्यायालय सिविल कोर्ट के परिसर में बार एसोसिएशन के संयुक्त मंत्री सुशील चन्द साहनी ने कहा कि स्वाधीनता संग्राम के महानायक भारत रत्न सुभाष चन्द बोस अत्यंत प्रतिभाशाली और साहसी देशभक्त थे। नेता जी ने जयहिन्द, दिल्ली चलो, तुम मुझे खुन दो मैं तुम्हे आजादी दुंगा जैसे नारे देकर अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी थी। राष्ट्रीय सेवा परिषद के तत्वाधान में पैड़लगंज चौराहे पर बसपा नेता डॉ. अशोक कुमार ने कहा कि नेता जी ने अपने जीवन में अनुशासन को सबसे ज्यादा महत्व दिया। जिसके बल पर वे महानायक बने।

नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती की पूर्व संध्या पर डीडीयू के ललित कला विभाग के छात्रों ने राप्ती तट पर नेताजी की रेतशिल्प बनाकर श्रद्धांजलि दी • हिन्दुस्तान

डॉ. मनोज कुमार ने कहा कि आज युवा वर्ग के भविष्य को लेकर जितनी चिन्ता देश में जतायी जा रही है वह अनावश्यक नहीं है। विजय पाल सिंह, इ. रंजीत कुमार व मांगरीश वेलफेयर के प्रमुख ई. संजीत कुमार ने कहा कि अद्भुत नेतृत्व की क्षमता होने के कारण ही नेता जी को भारतीय जनमानस ने महानायक के रूप में स्वीकार किया था। इस दौरान अधिवक्ताओं में पंकज शर्मा, रामदरश मौर्या, अश्वनी श्रीवास्तव, बीडी, ओम प्रकाश, मदन चौरसिया, अजीत शर्मा, यशवंत, हरिन्दे साहनी, मुसाफिर कुमार, राहुल कुमार भारती एवं राष्ट्रीय सेवा परिषद के मनीष गुप्ता, नितिन श्रीवास्तव, एके सिंह, राजेश सिंह मौजूद थे।

युवाओं के प्रेरणास्रोत

महाराणा प्रताप पीजी कालेज जंगल धूसड़ में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि नेताजी भारत के ऐसे महान सपूत हैं जिनसे प्रेरणा लेकर आज भी तमाम चुनौतियों का समाधान खोज सकते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. मृत्युंजय सिंह मौजूद थे। दिग्विजयनाथ पीजी कालेज के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ ने इस मौके पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में पूर्वांचल विवि के पूर्व कुलपति प्रो. यू.पी. सिंह ने कहा कि युवाओं में देश के निर्माण के प्रति नवचेतना जगाने में नेताजी का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। इस मौके पर मुख्य रूप से डॉ.आर.एल.गाडिया, डॉ. आमोद राय, डॉ. शशिप्रभा सिंह और डॉ. अरूण कुमार तिवारी मौजूद थे। गोरखपुर विवि के विधि विभाग में स्वामी विवेकानंद जयंती से नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती तक चलने वाले युवा सप्ताह पखवारे का समापन समारोह हुआ।

राष्ट्रीय सहारा

गोरखपुर। शनिवार • 23 जनवरी • 2016

आजादी के नायक थे सुभाष : अजय

गोरखपुर (एसएनबी)। देश की युवा पीढ़ी चुनौतियों का सामना करने का सामर्थ्य महापुरुषों से प्राप्त करें। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस से प्रेरणा लेकर आज भी तमाम चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। नेताजी आजादी के महानायक थे। स्वतंत्रता के लिए उन्होंने सब कुछ समर्पित करते हुए ब्रिटिश सत्ता के समक्ष जो चुनौती खड़ी की उसका आज भी इतिहास के पन्नों में कोई दूसरा उदाहरण नहीं मिलता है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित भारत-भारती पखवारा के अन्तर्गत नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अजय सिंह ने कही।

उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में भारत के अन्दर जिस प्रकार से वोट बैंक की राजनीति के कारण राष्ट्र विरोधी शक्तियां लामबंद हो रही है वह राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए न केवल संकट है बल्कि सम्पूर्ण मानवता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकती। उस समय की प्रतिष्ठित आईसीएस की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने मां भारती की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया।

इस अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए नेताजी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. मृत्युंजय सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, दीप्ती गुप्ता, संजय कुमार शर्मा, अमित कुमार, डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह, सुबोध कुमार मिश्रा, विनय कुमार सिंह सहित स्वयं सेवक-सेविकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में अतिथिगण

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री अजय कुमार सिंह

कार्यक्रम को सम्बोधित करते श्री अजय कुमार सिंह

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

23 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक/सेविकाओं के अतिरिक्त महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने सहभाग किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभागी

तृतीय एक दिवसीय शिविर

24 जनवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का संयुक्त तृतीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन गोरखनाथ मन्दिर और अभिगृति गॉव छोटी रेतवहिया में सम्पन्न हुआ। 100 स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाए गोरखनाथ मन्दिर में खिचड़ी चढ़ाने आये दूर दराज से श्रद्धालुओं को दर्शन में सहयोग करने के उद्देश्य से प्रातः 7.30 बजे से सायं 4.00 तक सेवा कार्य किया। वही शेष सभी स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाए अभिगृहित गांव छोटी रेतवहिया में बच्चों को स्कूल में पढ़ने हेतु प्रेरित करते हुए स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी गयी। गॉव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था को सुचारू रखने हेतु स्वयं सेवकों ने नालियों की साफ–सफाई की। स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा जनजागरण रैली भी निकाली गयी।

स्वच्छता अभियान में स्वयं सेविकाएं

अभिग्रहित गांव में सड़कों की सफाई कर जागरूक करतीं स्वयं सेविकाएं

श्रमदान करते स्वयं सेवक

अभिग्रहित गांव में सड़कों की सफाई कर जागरूक करतीं स्वयं सेविकाएं

बच्चों को स्कूल जाने के लिए प्रेरित करतीं स्वयं सेविकाएं

अभिग्रहित गांव में सर्वेक्षण करतीं स्वयं सेविकाएं

एक दिवसीय शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वयं सेविका

रंगोली प्रतियोगिता

25 जनवरी 2016 को गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में रगोली प्रतियोगिता के माध्यम से भारत के स्वातंत्र वीरो को श्रद्धांजलि दिया गया।

प्रतियोगिता में रंगोली

भारत–भारती पखवारा का समापन

26 जनवरी 2016 को उत्साहपूर्वक गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित किया गया। प्रातः 9.15 बजे ध्वजारोहण के उपरान्त राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के उपरान्त उल्लासपूर्वक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र के मूलजीजईठा कालेज, जलगांव, महाराष्ट्र के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश बोड़से ने अपना उत्प्रेरक उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन के साथ हुआ। इससे पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवंत कुमार राव तथा छात्रसंघ प्रभारी डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया।

समारोह में मुख्य अतिथि

समारोह में प्राचार्य

समारोह में समूहगान

समारोह में नृत्य

समारोह में राष्ट्र भक्ति गीत

सात दिवसीय विशेष शिविर

01 से 07 फरवरी 2016 को राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संचालित गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई सात दिवसीय (दिन–रात) विशेष शिविर संयुक्त रूप से अभिग्रहित गाँव छोटी रेतवहिया, जंगल धूसड़, गोरखपुर में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में कुल दोनों इकाईयों के कुल 84 स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने सहभागिता किया।

01से 07 फरवरी तक के शिविर के प्रमुख कार्यक्रम अधोलिखित है–

उद्घाटन समारोह : 01 फरवरी 2016

सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन कार्यक्रम शिविर स्थल बैतालगढ़ बुढ़िया माई मन्दिर, जंगल धूसड़ में अपराह्न 1.00 बजे सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर के प्राचार्य डॉ. शेर बहादुर सिंह जी ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना अपने कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं में एक नवीन और माननीय दृष्टि पैदा करता है। सात दिवसीय विशेष शिविर जो पूरे तौर पर आवासीय होता है जो स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं को प्रशिक्षित करने का बड़ा साधन है। शिविरार्थियों में एक साथ रहने की प्रवृत्ति विकसित होती है, अभाव और कम संसाधन में जीवन जीने की ताकत पैदा करने में यह शिविर बहुत सहायक होता है। इस सात दिवसीय विशेष शिविर का विशेष महत्व है। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष एवं मुख्य नियन्ता डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का विशेष शिविर स्वयं सेवकों और स्वयं सेविकाओं में जीवन जीने की कला का विकास करता है। शिविरार्थी श्रमदान के माध्यम से अभिग्रहित गॉव की साफ–सफाई करते हुए ग्रामवासियों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता

पैदा करने के साथ स्वयं को आत्म विकास करना उल्लेखनीय है। शिविरार्थी गाँव की समस्याओं को नजदीक से देखता है और उसके समाधान का भाव उनके मन में पैदा होता है। इन तमाम अवसरों के द्वारा व्यक्ति के अन्दर संवेदना और परोपकार की स्थिति उत्पन्न होती है। इस उद्घाटन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ सामाजिक समझ का विकास ही व्यक्तित्व विकास का मूल मंत्र है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार राव ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग की प्रभारी सुश्री दीप्तीगुप्ता जी ने भी अपना विचार व्यक्त किया। इससे पूर्व सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना गीत तथा राष्ट्रगीत के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

हिन्दुस्तान

गोरखपुर • मंगलवार • 02 फरवरी 2016

गांव में स्वयंसेवक बनाएंगे एनएसएस छात्र

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ का एनएसएस कैंप छोटी रेतवहिया गांव में लगा है। सोमवार को शिविर के उद्घाटन समारोह में दिग्विजयनाथ पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ.शेर बहादुर सिंह ने छात्र-छात्राओं से गांवों में स्वयंसेवी समूह तैयार करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि डा.शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि एनएसएस का मुख्य उद्देश्य छात्र-छात्राओं में समाज और राष्ट्र के लिए समर्पित भाव पैदा करना है। इस मौके पर एमपीपीजी के प्राचार्य डॉ.प्रदीप कुमार राव, वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ.अविनाश प्रताप ... और दीप्ति गुप्ता ने ...

सात दिवसीय विशेष शिविर उद्घाटन समारोह

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. शेर बहादुर सिंह

कार्यक्रम को सम्बोधित करते डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

कार्यक्रम में शिविरार्थी

02 फरवरी 2016 को प्रातः सत्र में स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने शिविर स्थल के आस–पास श्रमदान द्वारा साफ–सफाई किया। इसमें प्रमुख रूप से बैतालगढ़ बुढ़िया माई मन्दिर परिसर तथा छोटी रेतवहिया जाने वाली सड़क की साफ–सफाई की गयी।

सायं सत्र में बैद्धिक परिचर्चा में भटवली पी.जी. कालेज, उनवल बाजार गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं योग मर्मभ्य डॉ. बलवान सिंह ने 'योग', अध्यात्म और उसका मानव जीवन पर प्रभाव' विषय पर अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन काल से स्वस्थ्य जीवन का मूल आधार योग और अध्यात्म रहा है। योग और अध्यात्म बौद्धिक, आध्यात्मिक एवं शारीरिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करता है। योग के द्वारा व्यक्ति के अन्दर की विकृतियों को नष्ट करने तथा उसमें आत्म गौरव का भाव पैदा करने की सहज प्रवृत्ति बनती है। उन्होंने योग के विभिन्न मुद्राओं के साथ–साथ प्राणायाम और व्यायाम का भी स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं का अभ्यास कराया।

स्वतंत्र चेतना गोरखपुर, बुधवार, 3 फरवरी 2016

योग स्वयं को पहचानने का सबसे सशक्त माध्यम : डा. सिंह

❑ एमपीपीजी कालेज में रासेयो विशेष शिविर का आयोजन

गोरखपुर। भारत की आध्यात्मिक चिंतन परम्परा मानव कल्याण और मानव प्रेम पर आधारित है यह मनुष्य के अन्दर करुणा, सद्भाव और परोपकार का भाव पैदा करती है। आन्तरिक और बौद्धिक उन्नति का मार्ग आध्यात्मिक चिंतन में समाहित है। उक्त बातें बतौर मुख्य वक्ता महाराणा प्रताप पीजीकालेज के रासेयो द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय शिविर को सम्बोधित करते हुए डा. बलवंत सिंह, भटवली महाविद्यालय ने कही।

उन्होंने कहा कि योग स्वयं को पहचानने का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है, यह विवेक को जागृत करना है जो व्यक्ति में सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। आज के भौतिकवादी और बाजारवादी व्यवस्था ने व्यक्ति के जीवन में विभिन्न प्रकार के विकार उत्पन्न किये हैं।

उन्होंने हा कि पृथ्वी पर मनुष्य की उत्पत्ति ही सृष्टि की सबसे बड़ी देन है। इसे बचाये और बनाये रखने के लिए भारत की आध्यत्मिक ज्ञान परम्परा और योग साधना ही संजीवनी है। आध्यात्म मन के अन्दर के ज्ञान को निखारता है और व्यक्ति के स्वभाव को सरल और व्यापक बनाता है। आध्यात्म मन के अन्दर के ज्ञान को निखारता है और व्यक्ति के स्वभाव को सरल और व्यापक बनता है। एकाग्रता की सबसे बड़ी शक्ति ध्यान और योग है। आज के भागा-भागी युग में योग ही व्यक्ति संतोष पैदा करने का सशक्त साधन है।

इस कार्यक्रम में ध्यान और योग का अभ्यास डा. बलवान सिंह ने स्वयं सेवक/सेविकाओं को करवाया और यह संदेश दिया कि प्रत्येक व्यक्ति को ध्यान और योग का अभ्यास अपने दिनचर्या में अवश्य करना चाहिए। यह मानसिक और भौतिक दोनों दृष्टि से व्यक्ति को महान और चुनौतियों से लड़ने का सामार्थ्य पैदा करता है। संचालन आशीष राय ने किया।

इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डा. अविनाश प्रताप सिंह डा. यशवंत कुमार राव, डा. मृत्युंजय कुमार सिंह, दीप्ति गुप्ता सहित स्वयं सेवक/सेविकाएं उपस्थित रहें।

समाचार पत्रों में...

हिन्दुस्तान

गोरखपुर • बुधवार • 03 फरवरी 2016 •

योग स्वयं को पहचानने का है महत्वपूर्ण मार्ग

गोरखपुर। योग स्वयं को पहचानने का सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। यह विवेक को जागृत करता है। देश की आध्यात्मिक चिंतन परम्परा आने वाले चुनौतियों का समाधान करने में सक्षम है। यह बातें महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में एनएसएस के सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन भटवली महाविद्यालय के एसोसिएट प्रो. डॉ. बलवान सिंह ने कहीं। इस मौके पर डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. यशवन्त कुमार राव, डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह, दीप्ति गुप्ता आदि रहे।

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. बलवान सिंह

ध्यान मुद्रा में स्वयं सेवक

ध्यान मुद्रा में स्वयं सेविकाएं

शिविरार्थियों को योग अभ्यास कराते डॉ. बलवान सिंह

शिविरार्थियों को व्यायाम कौशल का प्रशिक्षण देते डॉ. बलवान सिंह

शिविरार्थियों को प्राणायाम कौशल का प्रशिक्षण देते डॉ. बलवान सिंह

श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

श्रमदान करतीं स्वयं सेविकाएं

03 फरवरी 2016 को सात दिवसीय शिविर के तीसरे दिन प्रातः सत्र में एवं योग व्यायाम तथा श्रमदान के साथ प्रारम्भ हुआ। द्वितीय सत्र के बौद्धिक परिचर्चा में किसान पी.जी. कालेज, सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य एवं प्रतिष्ठित साहित्यकार डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय जी ने अपना मौलिक व्याख्यान ''युवाओं में क्रियात्मक शक्ति का विकास'' विषय पर प्रस्तुत करते हुए कहा कि युवाओं में विशेषकर पूर्वांचल के युवाओं में असीम ऊर्जा संचित है। उसको यदि सही तरीके से निखारने का प्रयास किया जाय तो समाज की अनेक समस्याओं और चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। समाज में अनेक समस्याओं का कारण भी यही युवा है, जिनका ठीक प्रकार से प्रशिक्षण नहीं हो सका है, उनकी ऊर्जा गलत कार्यों में लग जा रही है। शिक्षण संस्थाओं में राष्ट्रीय सेवा योजना जैसे रचनात्मक प्रकल्पों का इस दृष्टि से अत्यधिक महत्व है। सही मार्ग दर्शन के द्वारा युवा शक्ति का राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान सम्भव बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव एवं आभार क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। इससे पूर्व सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत के द्वारा अतिथि का अभिनन्दन स्वयं सेवकों/स्वयं सेविकाओं द्वारा किया गया।

दैनिक जागरण गोरखपुर, 4 फरवरी 2016 समाचार पत्रों में...

मार्गदर्शन से संभव है क्रियात्मक शक्ति विकास

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : मनुष्य, ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है। उसमें असीम ऊर्जा है। सही दिशा और सार्थक प्रयास के द्वारा क्रियात्मक शक्ति विकास करके चरमोत्कर्ष की प्राप्ति की जा सकती है। पारिवारिक सहयोग और सामाजिक सामर्थ्य के द्वारा व्यक्तित्व में और भी निखार लाया जा सकता है। विशेष रूप से शिक्षण संस्थाएं अपनी महत्वपूर्ण भूमिका इस क्षेत्र में निर्वहन करती हैं। इस दृष्टि से शिक्षक का आचरण, व्यवहार और छात्र के अंदर के कौशल को पहचानने की क्षमता पर भी बहुत कुछ निर्भर करता है।

उक्त बातें महाराणा प्रताप पीजी कालेज, जंगल धूसड़ में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों के सात दिवसीय विशेष शिविर के बौद्धिक सत्र में 'विद्यार्थियों में क्रियात्मक शक्ति और उसको विकास' विषय पर बोलते हुए किसान पीजी कालेज सेवरही, कुशीनगर के पूर्व प्राचार्य, प्रतिष्ठित साहित्यकार डा. वेद प्रकाश पांडेय ने कही। उन्होंने कहा कि स्वयं की पहचान और उच्च लक्ष्य के बीच सामंजस्य और जीवन दृष्टि के द्वारा कठिन से कठिन चुनौतियों की सामना किया जा सकता है।

विद्यार्थी जीवन में इसकी अनन्त संभावनाएं होती हैं। विशेष रूप से शिक्षा के साथ-साथ समाज सेवा का भाव व्यक्तित्व को और भी सुंदर और प्रभावशाली बनाता है। कार्यक्रम का संचालन एनएस कार्यक्रम अधिकारी डा. यशवंत कुमार राव ने किया जबकि आभार ज्ञापन क्रीड़ा अधीक्षक डा.मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया।

कार्यक्रम में अतिथिगण

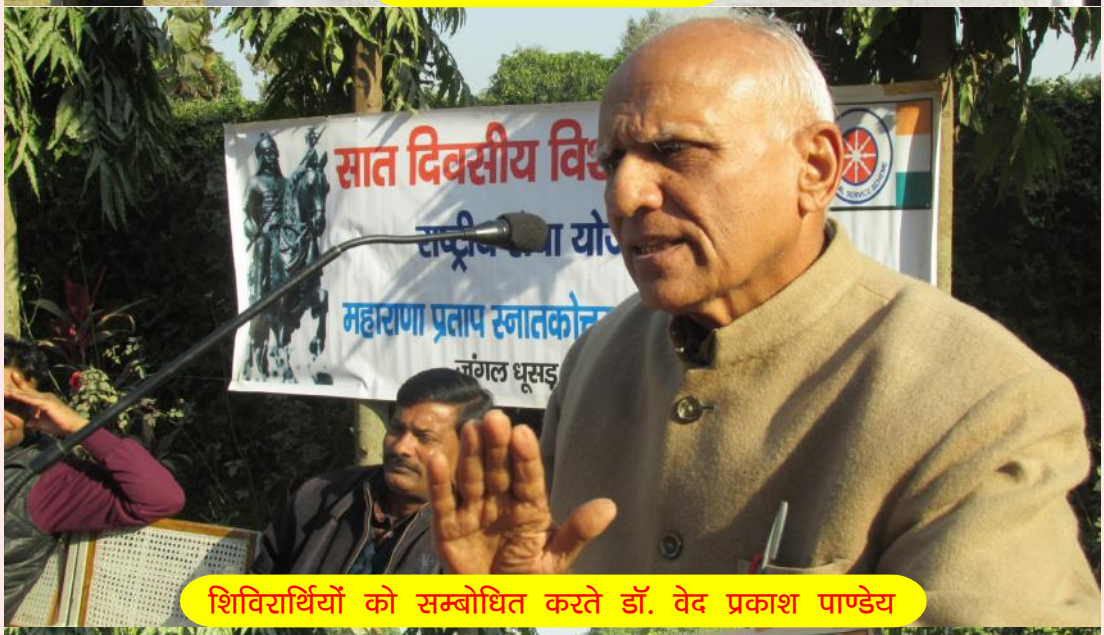

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

राष्ट्रीय सेवा योजना लक्ष्यगीत प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

व्यायाम करते शिविरार्थी

व्यायाम करते शिविरार्थी

व्यायाम करते शिविरार्थी

04 फरवरी 2016 को शिविर के चौथे दिन बौद्धिक सत्र में महानगर के प्रतिष्ठित आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश सिंह ने 'प्रकृति और युवा' विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि प्रकृति और मनुष्य के बीच न केवल घनिष्ठ सम्बन्ध है बल्कि शुद्ध प्रकृति पर ही स्वस्थ मनुष्य का जीवन आधारित है। प्राकृतिक सन्तुलन में ही मनुष्य का अस्तित्व सम्भव है। भौतिकवादी और बाजारवादी जीवन शैली के कारण प्रकृति को तो नुकसान हुआ ही है लेकिन उससे कहीं ज्यादा उसका दुष्प्रभाव स्वयं मनुष्य के उपर अत्यधिक पड़ा है। भारतीय परम्परा प्रकृति के अनुसार आचरण करने वाली रही है। प्रकृति के ही गोद में भारत सहित दुनिया का विकास सम्भव है। मनुष्य को प्राकृतिक मान्यताओं के अनुसार ही आचरण करना चाहिए तभी स्वस्थ शरीर और स्वस्थ्य भारत का निर्माण किया जा सकता है। आज मनुष्य का जीवन ही संकट में पड़ गया है। हमको पुनः प्रकृति की ओर लौटना होगा। इस परिचर्चा में स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं अपना–अपना विचार रखते हुए प्रकृति को समझने और उसके अनुसार आचरण करने के मूल मंत्रों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक श्री अभिषेक चौधरी तथा आभार ज्ञापन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत के साथ हुआ। सायं सत्र में स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं ने योग–व्यायाम का प्रशिक्षण कर स्वस्थ्य शरीर के मंत्रों की जानकारी प्राप्त किये।

पायनियर लखनऊ, शुक्रवार, 5 फरवरी, 2016

प्रकृति की गोद में ही दुनिया का विकास सम्भवः डॉ. दिनेश

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

प्रकृति और शरीर में आत्मसात भाव होना चाहिए। प्राकृतिक संतुलन ही मनुष्य के शारीरिक स्वास्थ्य का आधार है। प्रकृति की गोद में ही दुनिया का विकास सम्भव है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ आत्मा निवास करती है। स्वस्थ शरीर के लिए प्राकृतिक आहार–विहार अति आवश्यक है। प्रकृति के अनुसार दिनचर्या व्यक्ति के स्वास्थ्य के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बदलती हुई जीवन पद्धति ने पूर्वांचलवासियों को भी बुरी तरह दुष्प्रभावित किया है। फास्टफूड भोजन मुख्य आहार बनता जा रहा है। इन तमाम विकृतियों के कारण आज मनुष्य का स्वस्थ रहना तो दूर जीवन ही संकट में पड़ता जा रहा है। योग और व्यायाम के द्वारा मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को पुनः प्राप्त किया जा सकता है। इस वर्तमान चुनौती का सामना सिर्फ

प्रकृति के साथ और प्रकृति के पास ही सम्भव है। उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई का ग्राम छोटी रेतवहिया में आयोजित सप्त दिवसीय विशेष शिविर में महानगर के प्रतिष्ठित आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश सिंह ने कही। कार्यक्रम में क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय सिंह ने अपना विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शारीरिक श्रम प्रत्येक व्यक्ति के स्वस्थ जीवन के लिए आवश्यक है। आधुनिक मानव समाज के कर्म ने प्रकृति को भरपूर दूषित किया है। अब सिर्फ व्यायाम और शारीरिक श्रम ही एकमात्र औषधि स्वस्थ जीवन का मार्ग है। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव ने भी अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक अभिषेक चौधरी तथा आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत के साथ प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर श्रीमती कविता मन्ध्यान, सुश्री दीप्ती गुप्ता, डॉ. प्रज्ञेश कुमार मिश्र, गोविन्द वर्मा, डॉ. पूजा पाण्डेय आदि उपस्थित रहें।

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. दिनेश सिंह

स्वागत गीत प्रस्तुत करतीं स्वयं सेविकाएं

कार्यक्रम का संचालन करते स्वयं सेवक

शिविरार्थियों को व्यायाम का प्रशिक्षण देते डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह

योगाभ्यास करते शिविरार्थियों

योगाभ्यास करते शिविरार्थियों

05 फरवरी 2016 को शिविर के पांचवे दिन अभिगृहित गांव में स्वच्छता और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नशाखोरी महिला स्वावलम्बन एवं सरकारी लाभ की योजनाओं के प्रति जागरूक करने के लिए जनजागरण रैली का आयोजन किया गया।

दूसरे सत्र में बी.आर.डी. मेडिकल कालेज गोरखपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सक डॉ. राज किशोर सिंह जी ने स्वयं सेवकों एवं स्वयं सेविकाओं को 'स्वस्थ्य जीवन' के विषय में अत्यन्त ही महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही प्रखर बुद्धि का विकास सम्भव है। युवाओं को अपनी दिनचर्या को और भी व्यवस्थित एवं नियंत्रित रखने की महती आवश्यकता होती है। आज न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। संयमित खानपान और संगठित योगाभ्यास, व्यायाम के द्वारा वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं की चुनौती से निपटा जा सकता है। किसी भी देश का भविष्य वहाँ के ऊर्जावान युवाओं पर ही निर्भर होता है। इस कारण उनका स्वास्थ्य होना अनिवार्य है। स्वस्थ्य शरीर में स्वस्थ्य मस्तिष्क का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थाओं में पढ़ रहे विद्यार्थियों को संतुलित भोजन, नियमित दिनचर्या का प्रशिक्षण शिक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से दिया जाना चाहिए। जानकारी के अभाव के कारण भी इस प्रकार की समस्याएं बढ़ी हैं। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवक श्री अजरूहद्दीन अली तथा आभार सुश्री निशा वर्मा ने किया।

सायं सत्र में महाविद्यालय के कम्प्यूटर आपरेटर श्री संजय कुमार शर्मा ने स्वयं सेवकों/सेविकाओं को कराटे का प्रशिक्षण देते हुए व्यवस्थित अभ्यास कराया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी शिविरार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समाचार पत्रों में...

6.2.2016 अमर उजाला

'समाज के लिए भारतीय जीवन पद्धति संजीवनी'

गोरखपुर। महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मेडिकल कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजकिशोर सिंह ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही प्रखर बुद्धि का विकास होता है। युवाओं में बौद्धिक स्तर विकसित करने के लिए दिनचर्या का नियमन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के युग के बावजूद दुनिया स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। हर तीसरा व्यक्ति बीमार है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी जिनके ऊपर देश का भविष्य टिका हुआ है, वह स्वयं अस्वस्थ है। इन सब बातों पर बहुत गहन दृष्टि रखते हुए स्वस्थ जीवन के लिए रहन-सहन, खान-पान के संयमित प्रयोग पर बल देती रही है। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वस्थ समाज के लिए भारतीय जीवन पद्धति संजीवनी है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने युवाओं को स्वास्थ्य के प्रति अति जागरूक रहने को कहा।

• गोरखपुर • शनिवार • 06 फरवरी 2016 • हिन्दुस्तान

दिनचर्या नियमित करें विद्यार्थी

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

विद्यार्थियों को बौद्धिक क्षमता बढ़ानी है तो दिनचर्या नियमित रखनी चाहिए। बाजारवाद और पश्चिम की बिना सोची समझी नकल युवाओं के शरीर को तरह-तरह की बीमारियों से ग्रस्त कर रही है। असंतुलित भोजन और अनियमित दिनचर्या युवाओं के स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती है।

ये बातें मेडिकल कालेज मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ डाक्टर राजकिशोर सिंह ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़ के एनएसएस शिविर में 'स्वस्थ जीवन' विषय पर बोलते हुए कहीं। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ रहने के कई टिप्स दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि भारतीय परिवेश और परम्परा स्वस्थ जीवन के लिए रहन-सहन, खान-पान के संयमित प्रयोग पर बल देती है। कालेज के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.अविनाश प्रताप सिंह ने किया।

जागरूकता रैली निकाली : कार्यक्रम से पहले एनएसएस छात्र-छात्राओं ने छोटी रेतवहिया गांव में स्वच्छता के प्रति जनजागरण के लिए रैली निकाली। उन्होंने गांव की नालियों और सड़कों की सफाई भी की।

आज
गोरखपुर, शनिवार, ६ फरवरी २०१६

स्वस्थ शरीर में ही प्रखर बुद्धि– राजकिशोर

गोरखपुर, ५ फरवरी। स्वस्थ शरीर में ही प्रखर बुद्धि का विकास होता है। युवाओं में बौद्धिक स्तर विकसित करने के लिए दिनचर्या का नियमन अत्यन्त आवश्यक है। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के युग के बावजूद दुनिया स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। हर तीसरा व्यक्ति बीमार है। विशेष रूप से युवा पीढ़ी जिनके ऊपर देश का भविष्य टिका हुआ है वह स्वयं अस्वस्थ है। बाजारवादी और पश्चिमीकरण के अंधाधुकरण ने बीमारियों को अत्यधिक जन्म दिया है। असंतुलित भोजन और अनियमित दिनचर्या ने विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रसित करते हुए युवाओं के सामने स्वास्थ्य समस्या की चुनौती खड़ी की है उक्त बातें महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के गुरू श्रीगोरक्षनाथ एवं हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर में 'स्वस्थ जीवन विषय' पर बी.आर.डी. मेडिकल कालेज, गोरखपुर के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राजकिशोर सिंह ने कही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशवन्त कुमार राव एवं क्रीड़ा अधीक्षक डॉ. मृत्युंजय कुमार सिंह ने अपना विचार व्यक्त किया। इससे पूर्व चयनित गांव छोटी रेतवहिया में स्वच्छता के प्रति जनजागरण के लिए रैली निकाली गई तथा गांव के नालियों और सड़कों की स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा सफाई करके यह बताया गया कि गांव को कैसे सुन्दर और स्वच्छ बनाया जा सकता है।

चेतना विचारधारा | गोरखपुर, 6 फरवरी, 2016

स्वस्थ शरीर में प्रखर बुद्धि का विकास : डा. सिंह

❑ एमपीपीजी कालेज में 'स्वस्थ जीवन' पर व्याख्यान का आयोजन

गोरखपुर। युवाओं में बौद्धिक स्तर विकसित करने के लिये दिनचर्या का नियमन अत्यन्त आवश्यक है। आधुनिक ज्ञान-विज्ञान के युग के बावजूद दुनिया स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। स्वस्थ शरीर में ही प्रखर बुद्धि का विकास होता है।

उक्त बातें एमपीपीजी कालेज के सप्त दिवसीय रासेयो शिविर को संबोधित करते हुये बीआरडी मेडिकल कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डा. राजकिशोर सिंह ने कही। असंतुलित भोजन और अनियमित दिनचर्या ने विभिन्न प्रकार के रोगों से ग्रसित करते हुए युवाओं के सामने स्वास्थ्य समस्या की चुनौती खड़ी की है। भारतीय परिवेश एवं परम्परा इन सब बातों पर बहुत गहन दृष्टि रखते हुए स्वस्थ्य जीवन के लिए रहन-सहन, खान-पान के संयमित प्रयोग पर बल देती रही है। न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर स्वस्थ समाज के लिए भारतीय जीवन पद्धति संजीवनी है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा. प्रदीप कुमार राव ने कहा कि युवाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की आवश्यकता है। यही जागरूकता उनकी ज्ञान परम्परा को विकसित करेगी। पूर्वांचल में आर्थिक विपन्नता के कारण खान-पान पर संतुलित भोजन का दुष्प्रभाव दिखालाई देता है। यद्यपि कि सामान्य गांव घरों में बहुत से ऐसे पदार्थ हैं जिनका भोजन में प्रयोग कर शरीर को न केवल स्वस्थ बल्कि बलशाली बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम का संचालन डा. अविनाश प्रताप सिंह ने किया तथा कार्यक्रम अधिकारी डा. यशवन्त कुमार राव एवं क्रीड़ा अधीक्षक डा. मृत्युंजय कुमार सिंह ने अपना विचार व्यक्त किया।इससे पूर्व चयनित गांव छोटी रेतवहिया में स्वच्छता के प्रति जनजागरण के लिए रैली निकाली गई तथा गांव के नालियों और सड़कों की स्वयं सेवक/सेविकाओं द्वारा सफाई करके यह बताया गया कि गांव को कैसे सुन्दर और स्वच्छ बनाया जा सकता है।

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते डॉ. राज किशोर सिंह

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना गीत प्रस्तुत करती स्वयं सेविका

व्याख्यान कार्यक्रम में शिविरार्थी